

१. डुबा दो अहंकार

- रवींद्रनाथ टैगोर

मेरा शीश नवा दो अपनी
चरण धूल के तल में ।
देव ! डुबा दो अहंकार सब
मेरे आँसू जल में ।
अपने को गौरव देने हित
अपमानित करता अपने को,
घेर स्वयं को घूम-घूमकर
मरता हूँ पल-पल में ।
देव ! डुबा दो अहंकार सब
मेरे आँसू जल में ।



अपने कामों में न करूँ मैं
आत्मप्रचार प्रभो;
अपनी ही इच्छा मेरे
जीवन में पूर्ण करो ।
मुझको अपनी चरम शांति दो
प्राणों में वह परम कांति हो
आप खड़े हो मुझे ओट दें
हृदयकमल के दल में ।
देव ! डुबा दो अहंकार सब
मेरे आँसू जल में ।

— ० —

परिचय

जन्म : १८६१, कोलकाता (प.बं.)

मृत्यु : १९४१

परिचय : विश्व के महान साहित्यकार गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जी को 'नोबल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। आप केवल कवि ही नहीं बल्कि कथाकार, उपन्यासकार, नाटककार, निबंधकार तथा चित्रकार भी हैं। आप हमारे राष्ट्रगीत के रचयिता हैं। आपको १९१३ में 'गीतांजलि' के लिए 'नोबल पुरस्कार' भी प्राप्त हुआ है।

प्रमुख कृतियाँ : 'बनफूल', 'कवि-कहानी', 'संध्यासंगीत', 'प्रभातसंगीत', 'छवि ओगान', 'गीतांजलि', 'वलाका', 'पलातका', 'वनवाणी' और 'शेषलेखा' आदि।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत गीत में कवींद्र रवींद्रनाथ टैगोर जी ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहते हैं कि हे देव ! ऐसी शक्ति दो कि हमें किसी बात का अहंकार न हो। इस गीत में कवि हमें अहंकार, अत्याचार से बचने के लिए प्रेरित करते हैं।

कल्पना पल्लवन

'खड़े रहो तुम अविचल होकर सब संकट-तूफानों में', इसपर अपने विचार लिखो।

शब्द वाटिका

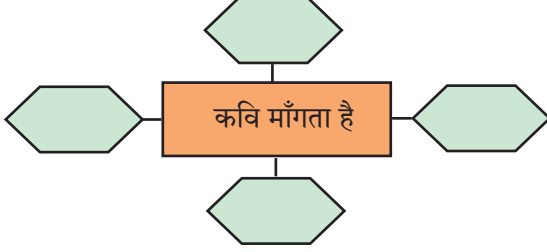
आत्मप्रचार = आत्मस्तुति
चरम = सर्वोच्च, पराकाष्ठा
दल = पंखुड़ी

मुहावरा

शीश नवाना = नतमस्तक होना, विनम्र होना
ओट देना = सहारा देना, आड़ देना

* सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :-

(१) संजाल पूर्ण करो :



(३) जोड़ियाँ मिलाओ :

अ	उत्तर	ब
चरम	-----	जल
हृदयकमल	-----	शांति
परम	-----	दल
आँसू	-----	कांति

(२) ऐसे प्रश्न तैयार करो जिनके उत्तरों में निम्न शब्द हों :

१. -----

उत्तर - हृदय कमल

२. -----

उत्तर - परम कांति

३. -----

उत्तर - पल-पल

४. -----

उत्तर - जीवन

(४) प्रस्तुत गीत की किन्हीं चार पंक्तियों का सरल अर्थ लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो

विनम्रता मानव का श्रेष्ठ आभूषण है ।

भाषा बिंदु

कविता में आए किन्हीं दस शब्दों के पर्यायवाची तथा विलोमार्थी शब्द लिखो ।



उपयोजित लेखन

निम्नलिखित शब्दों के आधार पर कहानी लिखो और उचित शीर्षक दो :
बोतल, किनारा, कंगन, कागज

मैंने समझा



स्वयं अध्ययन

अपने विद्यालय के दैनिक प्रार्थना गीत, प्रतिज्ञा, संविधान की उद्देशिका को चार्ट पेपर पर लिखकर कक्षा में लगाओ ।